नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 030
दि. 30.05.2026,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'बहू-बेटी की सुरक्षा से समझौता नहीं,' सीएम योगी की माफियाओं को खुली चेतावनी, सपा-कांग्रेस पर भी बरसे

जनसभा को ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री एके शर्मा, प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव, पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर, कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान और मधुबन के विधायक राम विलास चौहान आदि ने भी संबोधित किया और सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखा।

(जीएनएस)।

मऊ, उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के मधुबन विधानसभा क्षेत्र के पाती स्थित गांधी मैदान में शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। मां शीतला देवी की पावन धरा से मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था और विकास के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला।

सीएम योगी ने मऊ के ऐतिहासिक दंगों की याद दिलाते हुए अपराधियों को सख्त लहजे में चेतावनी दी। इस दौरान उन्होंने जनपद के सर्वांगीण विकास को गति देने के लिए ₹392 करोड़ से अधिक की लागत वाली 114 जनकल्याणकारी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया, साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र, स्वीकृति-पत्र एवं चेक वितरित किए।

गुंडों-माफिया के आगे नतमस्तक थी सपा, अब चलेगा बुलडोजर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2017 से पहले के उत्तर प्रदेश को याद करते हुए समाजवादी पार्टी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश में लूट-खसोट का माहौल था और सपा माफिया व गुंडों के सामने नतमस्तक थी, उनके आगे नाक रगड़ती थी। पहले माफिया और पार्टी विशेष के गुंडे जबरन गरीब की जमीन पर कब्जा करते थे, लेकिन आज माहौल बदल चुका है।

सीएम योगी ने चेतावनी देते हुए कहा, 'आज कोई माफिया खुली जीप में पिस्तौल लहराते हुए घूम नहीं सकता और न ही किसी हिंदू को धमका सकता है। अब अगर किसी ने गरीब की जमीन पर कब्जा करने की जुर्रत की, तो उसे अच्छे से मालूम है कि पीछे से बुलडोजर आएगा।'

2005 के मऊ दंगे का जिक्र: 'मऊ के लोग भूले नहीं होंगे'

सीएम योगी ने 21 वर्ष पहले के काले दौर की याद दिलाते हुए कहा कि वर्ष 2005 में मऊ के भरत मिलाप के दौरान मऊ को जलाने का कुत्सित प्रयास हुआ था। लोग उस दौर को भूले नहीं होंगे कि कैसे सत्ता के संरक्षण में माफिया रामलीला के आयोजन में व्यवधान पैदा करके निर्दोष हिंदुओं का कत्लेआम कर रहे थे। उस समय की सरकार पूरी तरह माफिया के सामने घुटने टेक चुकी थी, गरीबों को कोई

सुविधा नहीं मिलती थी और धार्मिक आयोजनों को निशाना बनाया जाता था।

त्योहारों में खलल डाला तो 'रावण-कंस' जैसी दुर्गति

मुख्यमंत्री ने बहू-बेटी और व्यापारियों की सुरक्षा पर अपनी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को दोहराया। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि रामलीला, रामनवमी, शिवरात्रि और रक्षाबंधन समेत अन्य पावन पर्वों में अगर किसी ने भी व्यवधान डालने की कोशिश की, तो उसकी रावण और कंस जैसी दुर्गति होना पूरी तरह तय है। अपराधियों को सीधा संदेश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर किसी ने भी बेटी और व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाई, तो अगले चौराहे पर उसका इंतजार खुद यमराज करेंगे।

'गरीबों का राशन डकार जाते थे सपा-कांग्रेस के गुंडे'

विकासात्मक कार्यों और जनहित योजनाओं की चर्चा करते हुए सीएम योगी ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि पहले गरीबों को दिया जाने वाला राशन सपा और कांग्रेस के गुंडे डकार जाते थे, लेकिन आज डबल इंजन की सरकार में पात्र लाभार्थियों को पूरी पारदर्शिता के साथ मुफ्त में राशन प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने विपक्ष से सवाल पूछा कि गरीबों के घरों में शौचालय सपा और कांग्रेस ने क्यों नहीं बनवाया? भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश के अंदर 3 करोड़ से अधिक परिवारों को मुफ्त में शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई है और हर गरीब को आवास की योजना से जोड़ा है।

वोट की ताकत और राम मंदिर का निर्माण

जनता को उनके लोकतांत्रिक अधिकार का महत्व समझाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सब आपके एक वोट की ताकत के कारण संभव हो पाया है। आपका एक वोट ही है जिसने 500 वर्षों की गुलामी के कलंक को धोकर श्री अयोध्या धाम में भव्य राम मंदिर का निर्माण कर दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी सच्चा भारतीय अपने जीवन का सबसे आनंददायक क्षण उसी पल को मानता है, जब श्री अयोध्या धाम में श्रीराम मंदिर का निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कर-कमलों से संपन्न हुआ। प्रभु श्री राम हम सबके लिए एक प्रेरणा हैं, हमारे जीवन की मर्यादा हैं और हम सबके जीवन के आदर्श हैं।

देश की रक्षा में तैनात जवानों और पुलिसकर्मियों को नमन

संबोधन के दौरान सीएम योगी ने देश की सीमाओं और आंतरिक सुरक्षा में लगे जवानों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हम अपने घरों में चैन की नींद तब सो पाते हैं, जब माइनस डिग्री तापमान में सियाचिन की दुर्गम पहाड़ियों पर हमारा देश का सैनिक जागता है और जब हमारा पुलिस कर्मी दिन-रात सड़कों पर गश्त लगाता है।

'विकास जाति पूछकर नहीं होता, देश में सिर्फ चार जातियां'

सीएम योगी ने कहा कि जब अच्छी सरकार आती है और अच्छे लोग चुनकर आते हैं, तभी धरातल पर विकास संभव होता है। विकास कभी जाति देखकर नहीं होता और जाति पूछकर कोई सड़क पर नहीं चलता। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की महान जनता ने 2014 में नरेंद्र मोदी को देश की बागडोर सौंपी थी और पीएम मोदी के अनुसार देश में केवल चार ही जातियां हैं- गरीब, युवा, नारी और अन्नदाता (किसान)। डबल इंजन सरकार इन्हीं चारों के सशक्तिकरण के लिए बिना रुके, बिना डिगे और बिना थके सतत विकास के कार्य कर रही है।

युवाओं के लिए रोजगार और नए संस्थानों की सौगात

₹392 करोड़ की 114 विकास परियोजनाओं की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले में हॉस्पिटल, सैनिक स्कूल, पब्लिक स्कूल, फार्मेसी कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, आईटीआई जैसे संस्थान तैयार किए जा रहे हैं। ये केवल इमारतें या संस्थान नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से क्षेत्र के बहुत सारे स्थानीय युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर भी मिले हैं। इसके साथ ही सरकार किसान दुर्घटना बीमा योजना का लाभ भी चौबीस घंटे के भीतर सुनिश्चित कर रही है।

जनसभा में मौजूद रहे कई प्रमुख मंत्री और विधायक

मऊ के इस भव्य कार्यक्रम के दौरान मंच पर सरकार के कई वरिष्ठ मंत्रियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। जनसभा को ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री एके शर्मा, प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव, पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर, कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान और मधुबन के विधायक राम विलास चौहान आदि ने भी संबोधित किया और सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखा।

उपराष्ट्रपति ने दावणगेरे में स्थित यूनिवर्सिटी बीडीटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के प्लेटिनम जुबली समारोह में भाग लिया

प्रौद्योगिकी का उपयोग मानवता की सेवा के लिए होना चाहिए : यूबीडीटी इंजीनियरिंग कॉलेज की प्लेटिनम जयंती पर उपराष्ट्रपति का संबोधन

उपराष्ट्रपति ने युवाओं से भारत को प्रौद्योगिकीय आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने की अपील की

इंजीनियरिंग संस्थानों को अनिवार्य रूप से नैतिक नवप्रवर्तकों और राष्ट्र निमार्ताओं को पोषित करना चाहिए: उपराष्ट्रपति

भारत के इंजीनियर 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करेंगे : उपराष्ट्रपति

बिहार में सियासी उलटफेर? दिल्ली से लौटते ही नीतीश कुमार के घर पहुंचे सीएम सम्राट चौधरी, किस मुद्दे पर हुई चर्चा?

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में शुक्रवार को उस वक्त हलचल तेज हो गई जब मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी दिल्ली दौरे से लौटने के तुरंत बाद सीधे पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास पहुंच गए। दोनों नेताओं के बीच करीब 15 मिनट तक बंद कमरे में बातचीत हुई। इस मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं।

माना जा रहा है कि दिल्ली में हुई बैठकों, बिहार की मौजूदा राजनीतिक स्थिति और आने वाले चुनावों को लेकर दोनों नेताओं के बीच अहम चर्चा हुई। खास बात यह रही कि पटना पहुंचने के बाद सम्राट चौधरी ने किसी अन्य कार्यक्रम में शामिल होने से पहले नीतीश कुमार से मुलाकात को प्राथमिकता दी। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि ठञ्ज के भीतर तालमेल और रणनीति को लेकर लगातार बातचीत जारी है।

जानकारी के मुताबिक सम्राट चौधरी दिल्ली में अधिकारियों और पार्टी नेताओं के साथ कई अहम बैठकों में शामिल हुए थे। पटना लौटते ही वह सीधे नीतीश कुमार के सरकारी आवास पहुंचे। सूत्रों का कहना है कि दिल्ली में हुई चचाओं और राजनीतिक फीडबैक की जानकारी उन्होंने विस्तार से साझा की।

बताया जा रहा है कि बैठक में आगामी विधान परिषद चुनाव को लेकर भी बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने चुनावी तैयारी, सीटों के तालमेल और सहयोगी दलों के साथ समन्वय जैसे मुद्दों पर चर्चा की। बिहार की राजनीति में बदलते समीकरणों को देखते हुए इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने को लेकर भी चर्चा हुई। सम्राट चौधरी चाहते हैं कि प्रशासनिक फैसलों और विकास योजनाओं में नीतीश कुमार के लंबे अनुभव का फायदा सरकार को मिलता रहे।

इस्त्राइल को लेकर कांग्रेस का पीएम पर हमला, जयराम रमेश बोले- भारत के मूल्यों के खिलाफ है सरकार का रुख

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इस्त्राइल के प्रति एकतरफा समर्थन का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पीएम मोदी ने ईरान, गाजा, लेबनान और फिलिस्तीन से जुड़े मुद्दों पर इस्त्राइल की कार्रवाई की कभी खुलकर आलोचना नहीं की।

कांग्रेस ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इस्त्राइल के प्रति कथित रूप से एकतरफा समर्थन का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का रुख भारत की पारंपरिक विदेश नीति और मानवीय मूल्यों के विपरीत है व यह करोड़ों भारतीयों के लिए स्वीकार्य नहीं है।

यह विवाद उस समय सामने आया जब इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के एक कथित बयान का हवाला देते हुए जयराम रमेश ने कहा कि नेतन्याहू ने एक सम्मेलन में दावा किया कि दुनिया के अधिकांश देशों में इस्त्राइल की वैधता पर सवाल उठ रहे हैं, लेकिन भारत

में ऐसा नहीं है।

इस्त्राइली हमलों पर क्यों बोले रमेश?

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इस्त्राइल के सबसे मजबूत समर्थक के रूप में सामने आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने ईरान के शीर्ष नेतृत्व की लक्षित हत्या की कभी निंदा नहीं की, न ही गाजा में जारी इस्त्राइली सैन्य अभियान पर कोई सार्वजनिक आलोचना की। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि मोदी सरकार ने लेबनान पर इस्त्राइल के हमलों और वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के कथित विस्थापन व अधिकारों के हनन के मुद्दे पर भी चुप्पी साध रखी है।

पीएम मोदी पर लगाए गंभीर आरोप

रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने फरवरी 2026 में इस्त्राइल के साथ गर्मजोशी से मुलाकात की थी और उसके कुछ ही समय बाद इस्त्राइल व अमेरिका ने ईरान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले शुरू किए। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति ऐतिहासिक रूप से शांति, संवाद और फिलिस्तीनी अधिकारों के समर्थन पर आधारित रही है, लेकिन मौजूदा सरकार इस परंपरा से दूर जाती दिखाई दे रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि नेतन्याहू का यह कहना कि भारत इस्त्राइल के समर्थन में खड़ा है, पूरी तरह सही नहीं है। उनके अनुसार, यह समर्थन पूरे भारत का नहीं बल्कि प्रधानमंत्री मोदी और उनके राजनीतिक तंत्र का नजरिया हो सकता है। उन्होंने कहा कि देश के बड़ी संख्या में लोग फिलिस्तीनी जनता के प्रति सहानुभूति रखते हैं और पश्चिम एशिया में शांति व न्यायपूर्ण समाधान के पक्षधर हैं।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, गाजा की स्थिति, ईरान-इस्त्राइल तनाव और फिलिस्तीनी मुद्दे पर अपना स्पष्ट रुख सामने रखने की मांग की है। हालांकि, सरकार की ओर से कांग्रेस के इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

आईपीएस महेश कुमार अग्रवाल जिन्हें सीएम विजय ने बनाया तमिलनाडु का नया डीजीपी

(जीएनएस)।:

तमिलनाडु में लंबे समय से स्थायी डीजीपी की नियुक्ति का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। मुख्यमंत्री विजय की अगुवाई वाली राज्य सरकार ने 1994 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी महेश कुमार अग्रवाल को राज्य का नया पुलिस महानिदेशक (DGP) नियुक्त किया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब राज्य में कानून व्यवस्था और पुलिस प्रशासन को लेकर लगातार राजनीतिक बहस चल रही थी।

महेश कुमार अग्रवाल का नाम वढरउ द्वारा मंजूर किए गए तीन वरिष्ठ अधिकारियों की सूची में तीसरे नंबर पर था, लेकिन मुख्यमंत्री विजय ने उन पर भरोसा जताते हुए राज्य की सबसे बड़ी पुलिस जिम्मेदारी सौंपी। खास बात यह है कि महेश कुमार अग्रवाल ने अपने करियर में कई अहम पदों पर काम करते हुए सख्त, शांत और टेक्नोलॉजी फ्रेंडली अधिकारी की पहचान बनाई है। महेश कुमार अग्रवाल मूल रूप से पंजाब के बठिंडा के रहने वाले हैं। उनके पिता प्रकाश चंद्र अग्रवाल पेशे से जाने-माने वकील हैं। शुरूआती पढ़ाई उन्होंने बठिंडा के एमएचआर और एमएसडी स्कूल से की। इसके बाद उन्होंने राजिंदर कॉलेज से 12वीं पूरी की और फिर पांच वर्षीय लॉ कोर्स कर एलएलबी की डिग्री हासिल की।

महेश कुमार अग्रवाल ने बहुत कम उम्र में UPSC सिविल सेवा परीक्षा पास कर ली थी। उन्होंने महज 22 साल की उम्र में अपने पहले ही प्रयास में सफलता हासिल की। इसके बाद वे 1994 बैच के सबसे युवा असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (ASP) बने। शुरूआत से ही उन्हें तेज और अनुशासित अधिकारी माना जाता रहा है।

संतुलन और सामूहिक आरोग्य के लिए प्रभावी है योग: केंद्रीय मंत्री श्री प्रतापराव जाधव

आयुष मंत्रालय ने 29 और 30 मई 2026 को कैवल्यधाम योग संस्थान, लोनावला, महाराष्ट्र में आयोजित हो रहे भारतीय योग संघ के छठे राष्ट्रीय सम्मेलन—'योगोत्सव 2026' के आयोजन का स्वागत किया है।

'योग में विविधता का उत्सव' विषय पर आयोजित, इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य देश भर के योग आचार्यों, नीति निमार्ताओं, शोधकताओं, शिक्षकों, आरोग्य क्षेत्र की जानी मानी हस्तियों, संस्थानों और युवा प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाने का प्रयास है, ताकि भारत और वैश्विक स्तर पर भविष्य में योग की दिशा पर विचार-विमर्श किया जा सके।

टीचर्स के लिए बड़ा झटका! बिना टीईटी अब नहीं बचेगी नौकरी, सुप्रीम कोर्ट ने दिया अल्टीमेटम, क्या है लास्ट डेट?

(जीएनएस)।

देशभर के लाखों प्राथमिक शिक्षकों के लिए सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला सामने आया है। अदालत ने साफ कर दिया है कि अब सरकारी स्कूलों में काम कर रहे सभी प्राथमिक शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी ळएळ पास करना जरूरी होगा। कोर्ट का कहना है कि बच्चों की शुरूआती पढ़ाई सबसे अहम होती है, इसलिए पढ़ाने वाले शिक्षकों की योग्यता तय मानकों के अनुसार होनी चाहिए।

इस फैसले का असर उन शिक्षकों पर भी पड़ेगा जो कई सालों से नौकरी कर रहे हैं लेकिन अब तक ळएळ पास नहीं कर सके हैं। आंकड़ों के मुताबिक पश्चिम बंगाल में करीब 1 लाख और पूरे देश में लगभग 30 लाख ऐसे शिक्षक हैं जिन्होंने अभी तक यह परीक्षा पास नहीं की है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी शिक्षकों को ळएळ पास करने के लिए 31 अगस्त 2028 तक का समय दिया है।

समय सीमा में मिली राहत

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने यह आदेश सुनाते हुए शिक्षकों को राहत भी दी है। पहले टीईटी पास करने की अंतिम तारीख अगस्त 2027 तय थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 31 अगस्त 2028 कर दिया गया है। अदालत का मानना है कि इतनी बड़ी संख्या में शिक्षकों को परीक्षा के लिए पर्याप्त समय मिलना जरूरी है।

बिना TET पढ़ा रहे थे कई शिक्षक

रिपोर्ट के अनुसार कई राज्यों में ऐसे प्राथमिक शिक्षक काम कर रहे हैं जिन्होंने अब तक TET पास नहीं किया है। इनमें बड़ी संख्या उन शिक्षकों की है जिनकी नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद यानी NCTE की तय समय सीमा से पहले हुई थी। इसी वजह से वे अब तक बिना टीईटी के सेवा दे रहे थे।

कोर्ट ने क्या कहा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा बच्चों के भविष्य की नींव तैयार करती है। ऐसे में यह जरूरी है कि पढ़ाने वाले शिक्षकों की क्षमता और योग्यता एक तय प्रक्रिया के तहत जांची जाए। अदालत के मुताबिक टीईटी इसी प्रक्रिया का अहम हिस्सा है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

भर्ती प्रक्रिया में एक समान नियम पर जोर

अदालत ने यह भी माना कि अलग-अलग राज्यों में अलग नियम होने से शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में असमानता पैदा होती है। ऐसे में टीईटी को अनिवार्य करने से पूरे देश में एक समान व्यवस्था लागू करने में मदद मिलेगी। इससे भर्ती प्रक्रिया ज्यादा साफ और व्यवस्थित हो सकेगी।

शिक्षकों में बढ़ी चिंता

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद उन शिक्षकों के बीच चिंता बढ़ सकती है जिन्होंने अभी तक टीईटी पास नहीं किया है। शिक्षा जगत में इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई है। कई शिक्षकों को अब नौकरी जारी रखने के लिए तय समय सीमा के भीतर परीक्षा पास करनी होगी।

अल्टीमेटम खत्म, एक्शन शुरू: लखनऊ केजीएमयू में मजार पर 'लावारिस' का ठप्पा, ढहने की कगार पर अवैध निर्माण!

(जीएनएस)।

लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) परिसर में बनी मजार को प्रशासन ने अब 'लावारिस' घोषित कर दिया है. बार-बार नोटिस जारी होने के बावजूद किसी भी पक्ष द्वारा मालिकाना हक का वैध दस्तावेज न देने के बाद प्रशासन ने मजार को हटाने और बुलडोजर कार्रवाई के लिए सरकार से सहमति मांगी है.

लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (डक्क्रट्व) प्रशासन ने परिसर के भीतर अवैध रूप से निर्मित मजार को 'लावारिस' घोषित करते हुए उसे ध्वस्त करने की तैयारी तेज कर दी है. यूनिवर्सिटी प्रशासन ने जिम्मेदार पक्षों को नोटिस जारी कर मालिकाना हक का दावा पेश करने के लिए पंद्रह दिनों का समय दिया था. सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार अतिरिक्त समय मिलने के बाद भी किसी संस्था या व्यक्ति ने कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं किया. इसके बाद केजीएमयू प्रशासन ने यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रार को रिपोर्ट सौंपकर बुलडोजर कार्रवाई की संस्तुति भेजी है. पुलिस बल और प्रशासनिक उपलब्धता मिलते ही इस अवैध निर्माण को हटा दिया जाएगा.

नोटिस का जवाब नहीं मिलने पर हुई कार्रवाई

केजीएमयू प्रशासन ने मजार को अवैध घोषित करते हुए उसके जिम्मेदार व्यक्तियों को सामने आने के लिए कई बार नोटिस जारी किया था. विश्वविद्यालय को इन नोटिसों का कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला और न ही किसी ने इस पर अपना दावा पेश किया. केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो. केके सिंह ने बताया कि केवल एक मजार प्रबंधक ने जवाब दिया था, लेकिन उसने भी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया. इसके बाद प्रशासन ने इस मजार को पूरी तरह 'लावारिस' मान लिया है.

बुलडोजर एक्शन की तैयारी और सरकार से सहमति

विश्वविद्यालय प्रशासन ने पूरे मामले की विस्तृत जानकारी रजिस्ट्रार को दे दी है. इसके साथ ही आगे की दंडात्मक कार्रवाई के लिए बुलडोजर एक्शन की संस्तुति भी शासन को भेजी गई है. प्रशासन ने उत्तर प्रदेश सरकार को इस पूरे घटनाक्रम से अवगत कराते हुए मजार हटाने के लिए अंतिम सहमति मांगी है. केजीएमयू प्रवक्ता के अनुसार, पर्याप्त पुलिस फोर्स और प्रशासनिक अधिकारियों की उपलब्धता मिलते ही परिसर में किसी भी वक्त बुलडोजर की कार्रवाई की जा सकती है.

कार्रवाई को लेकर सुरक्षा सख्त और तगड़ा अल्टीमेटम

अप्रैल महीने से ही केजीएमयू परिसर में अवैध मजारों को हटाने का अभियान तेज कर दिया गया है. केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो. केके सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन और पुलिस को इसकी पूरी रणनीति भेज दी गई है. सुरक्षा, लॉजिस्टिक और प्रशासनिक पहलुओं को ध्यान में रखकर प्लानिंग तैयार है. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई भी व्यक्ति इस सरकारी कार्रवाई में बाधा डालता है या विरोध करता है, तो उसके खिलाफ बेहद सख्त कानूनी एक्शन लिया जाएगा.

लखनऊ में 1 से 9 जून तक श्रीराम कथा:जगद्गुरु रामभद्राचार्य सुनाएंगे कथा, तैयारियां तेज

(जीएनएस)।

लखनऊ के श्री खाटूश्याम मंदिर परिसर में शुक्रवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में नौ दिवसीय श्रीराम कथा महोत्सव की तैयारियों की जानकारी दी गई। आयोजन समिति के संरक्षक और लखनऊ उत्तर से विधायक डॉ. नीरज बोरा ने बताया कि पद्मविभूषण जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज की श्रीराम कथा 1 से 9 जून तक सीतापुर रोड स्थित बृज की रसोई परिसर में होगी। कथा प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक चलेगी।

डॉ. बोरा ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वे देश के प्रतिष्ठित संत, विद्वान और शिक्षाविद हैं। दो माह की आयु में दृष्टि खोने के बावजूद उन्होंने अपनी प्रतिभा और साधना से 250 से अधिक ग्रंथों की रचना की है। उन्होंने चित्रकूट में दिव्यांगजनों के लिए एक विश्वविद्यालय की स्थापना भी की है।

प्रमुख प्रसंग पर कथा होगी

रामभद्राचार्य अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि प्रकरण में भी प्रमुख गवाह रहे हैं। भारत सरकार ने उनके योगदान के लिए उन्हें पद्मविभूषण सम्मान से सम्मानित किया है।कथा के पहले दिन कलश यात्रा, गुरु वंदना और भारद्वाज-याज्ञवल्क्य संवाद का वर्णन किया जाएगा। दूसरे दिन माता सती के प्राकट्य, तीसरे दिन शिव विवाह, चौथे दिन श्रीराम जन्मोत्सव और पांचवें दिन बाललीला व राम वनगमन के प्रसंग सुनाए जाएंगे। छठे दिन सीताराम विवाह और सातवें दिन राम वनवास, केवट संवाद तथा राम-भरत मिलन का वर्णन होगा।

आठवें दिन सीता हरण और शबरी चरित्र का प्रसंग रहेगा। कथा का समापन 9 जून को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगा। अंतिम दिन लंकादहन, अयोध्या आगमन, श्रीराम राज्याभिषेक उत्सव और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। समापन पर श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया जाएगा।

श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई

डॉ. बोरा ने बताया कि आयोजन की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। नगर निगम, जलकल और विद्युत विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। श्रद्धालुओं के लिए बैठने, पार्किंग, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने लखनऊ और आसपास के जिलों के लोगों से बड़ी संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण का आग्रह किया।

प्रदेश में राहत वाली भीषण बारिश, नौपता हुआ छूमंतर, आज इन जिलों में 100 किमी रफ्तार वाली आंधी का अलर्ट

(जीएनएस)।

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में नौतपा की भीषण गर्मी के बीच तेज आंधी और बारिश से मौसम सुहावना हो गया। कई जिलों में ओलावृष्टि और भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने कई जिलों में 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक की तेज हवाओं और भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।

नौतपा की भीषण गर्मी के बीच बृहस्पतिवार देर रात उत्तर प्रदेश का मौसम अचानक बदल गया। राजधानी लखनऊ समेत पश्चिमी और पूर्वी यूपी के कई जिलों में तेज हवाओं, गरज-चमक और झमाझम बारिश ने मौसम सुहावना कर दिया। तराई क्षेत्रों में भी अच्छी बारिश दर्ज की गई, जबकि पश्चिमी यूपी व अन्य कुछ इलाकों में ओलावृष्टि हुई।

बाराबंकी, सीतापुर, कानपुर, हरदोई, मुरादाबाद, बरेली समेत कई जिलों में तेज आंधी और बारिश से तापमान में गिरावट आई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। तेज हवाओं के चलते प्रदेश के कई हिस्सों में पेड़ और होर्डिंग्स भी गिर गए।

सीतापुर, बदायूं और झांसी में ओले गिरे, जबकि संभल, बिजनौर, चित्रकूट, आगरा, गाजियाबाद और मथुरा में बारिश से मौसम खुशनुमा हो गया। मेरठ में शुक्रवार को भी काले बादल छाए रहे, वहीं शाहजहांपुर में धूल भरी आंधी के बाद बारिश शुरू हुई।

मौसम विभाग ने 29 और 30 मई के लिए प्रदेश के कई जिलों में आंधी-तूफान और भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, कुछ स्थानों पर 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। पूर्वानुमान है कि बारिश और तेज हवाओं का दौर 31 मई तक जारी रह सकता है।

24 घंटे में प्रदेश में हुई बारिश

पूर्वी यूपी में सबसे ज्यादा बारिश वाले 5 जिले

सिटी	बारिश प्रतिशत (मिमी)
मिजार्पुर	100
अयोध्या	90
प्रयागराज	61
उन्नाव	59
सिद्धार्थनगर	51

पश्चिमी यूपी में सबसे ज्यादा बारिश वाले 5 जिले

सिटी	बारिश प्रतिशत (MM)
सहारनपुर	32
हाथरस	30
बिजनौर	20
हमीरपुर	20
जालौन	20

इन जिलों में आंधी का रेड अलर्ट

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिजार्पुर,भदोही, लखीमपुर खीरी, हरदोई, फरुर्खाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, रायबरेली, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर।

लखनऊ में थम गया सिटी बसों का पहिया; तीन महीने से सैलरी नहीं दे पाई यूपी सरकार

(जीएनएस)।

लखनऊः लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के चालक परिचालकों को पिछले तीन महीने से वेतन नहीं मिला है जिससे उनके सब्र का बांध टूट गया. शुक्रवार सुबह से ही उन्होंने लखनऊ में सिटी बसों का संचालन पूरी तरह से ठप कर दिया.

दुबग्गा डिपो से संचालित होने वाली एक भी बस डिपो से बाहर निकल ही नहीं पाई. पानी में भीगते हुए ड्राइवर कंडक्टर दुबग्गा डिपो तो पहुंचे, लेकिन उन्होंने बस की स्टीयरिंग को हाथ नहीं लगाया, बल्कि धरने पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करने लगे.

सिटी बसों का संचालन ठप कर देने से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है. उन्हें अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए अन्य यातायात साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है. सुबह के समय बस का संचालन बाधित होने से स्कूल जाने वाले छात्रों, ऑफिस जाने वाले कर्मचारियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है.

लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के सैकड़ो कर्मचारी पिछले तीन माह से अपने वेतन की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई ही नहीं हो रही है. वेतन मांग- मांगकर थक चुके चालक-परिचालकों को बार-बार झूठा आश्वासन ही मिलता रहा. आखिरकार शुक्रवार को उनका धैर्य जवाब दे गया.

दुबग्गा डिपो में सुबह-सुबह सैकड़ों की संख्या में चालक परिचालक इकट्ठा हुए और उन्होंने बस संचालन न करने का फैसला लिया. उनका कहना है कि वैसे भी नाम मात्र का ही वेतन मिलता है. घर का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है और ऐसे में तीन महीने तक वेतन न मिलने से परिवार कैसे चल रहा होगा, इसके बारे में भी जिम्मेदार सोच नहीं रहे हैं. आखिर कितने दिन तक बिना वेतन के नौकरी की जाए.

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि अब जब तक उनका वेतन नहीं मिल जाता है, तब तक बस का संचालन नहीं किया जाएगा. झूठा आश्वासन मिलने से परेशान हो गए हैं.

ड्र३८ इ४२ डस्री१३ङ्गल्ल

सिटी बस कर्मचारियों ने लखनऊ में बसों का संचालन ठप कर दिया.

सिटी बस में तैनात कर्मचारियों का यह भी कहना है कि परिवहन निगम ने फैसला लिया है कि जो भी कंडक्टर परिवहन निगम से सिटी बस में गए थे, उनकी परिवहन निगम में वापसी हो सकती है, तो फिर परिवहन निगम में हमें वापस क्यों नहीं लिया जा रहा है.

कई परिचालकों को पुरानी सिक्योरिटी पर वापस लिया गया है, लेकिन हमसे ₹10000 फिर से सिक्योरिटी जमा करने को क्यों कहा जा रहा है. हमें भी सिटी बस से वापस परिवहन निगम की सेवा में लिया जाए.

चालकों-परिचालकों का आरोप है कि अधिकारियों के साथ कई बार वेतन को लेकर वार्ता हो चुकी है. बार-बार यही कहा गया कि वेतन मिल जाएगा, लेकिन तीन महीने बीत चुके हैं अभी तक एक पैसा भी नहीं मिला है. आखिर हमारा घर कैसे चले. अब जब बसों का संचालन ठप किया जाएगा, तो अधिकारी वेतन देने के बारे में कुछ सोचेंगे. फिलहाल, सुबह से ही दुबग्गा डिपो में चालक परिचालकों का विरोध प्रदर्शन जारी है. बसों के चक्के जाम हैं. यात्री सड़क पर बसों का इंतजार कर रहे हैं लेकिन बसें डिपो में ही खड़ी हैं.

लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अमरनाथ सहाय का कहना है कि नगरीय परिवहन निदेशालय से बात की गई है. तीन माह से कर्मचारियों का वेतन न मिलने से उनकी परेशानी भी जायज है. जल्द से जल्द उनकी समस्या का समाधान किया जाएगा.

सिटी बस के अधिकारी मौके पर चालक परिचालकों को मनाने का प्रयास कर रहे हैं. सोमवार तक उनका जो भी बकाया है उसका भुगतान करने की कोशिश की जाएगी.

लखनऊः यूपीएससी छात्रा से गैंगरेप मामले में 7 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली, 12 बार सिम बदल चुके हैं आरोपी

(जीएनएस)।

लखनऊ में यूपीएससी की छात्रा से गैंगरेप मामले में सात दिन बाद भी आरोपी शिवम यादव और शनि यादव पुलिस की गिरफ्त से बाहर है. पुलिस लगातार अलग-अलग जगहों पर दबिश दे रही है.

राजधानी लखनऊ में यूपीएससी की तैयारी कर रही छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म मामले में 7 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली है. पुलिस अब तक नामजद आरोपी शिवम यादव और शनि यादव को गिरफ्तार नहीं कर पाई है. इस मामले की जाँच के लिए पुलिस की चार टीमें बनाई गई हैं. जो अलग-अलग जगहों पर दबिश दे रही है लेकिन, अब तक पुलिस को कोई सफलता नहीं मिल पाई है.

लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस के मुताबिक घटना के बाद से आरोपियों के मोबाइल फोन बंद आ रहे हैं, जिसकी वजह से राजधानी की हाईटेक पुलिस आरोपियों की लोकेशन को ट्रेस नहीं कर पा रही है. इस मामले में शिवम यादव और शनि यादव के अलावा एक अन्य अज्ञात युवक भी आरोपी है. पुलिस इस वारदात के सात दिन बाद भी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है.

आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की 4 टीमें अलग-अलग ठिकानों पर दबिश दे रही है. आरोपी बार-बार अपने मोबाइल नंबर और ठिकाने बदल रहे हैं. जानकारी के मुताबिक दोनों आरोपी अब तक 12 से ज्यादा मोबाइल सिम बदल चुके है.

बता दें कि पीड़िता जौनपुर की रहने वाली है और दिल्ली में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रही थी. बीते दिनों वो छुट्टियों पर अपने घर आई थी. 15 मई को वो वापस दिल्ली जाने के लिए ट्रेन से रवाना हुई थी. उसने ये बात अपने दोस्त को फोन करके बताई थी, जिसके बाद आरोपी युवक लखनऊ के चारबाग स्टेशन पर पहुँच गया और उसने जबरन उसे ट्रेन से उतार लिया.

पीड़िता को बंधक बनाकर गैंगरेप

आरोप है कि ट्रेन से उतारने के बाद आरोपी युवती को अपनी साथ सुशांत गोल्फ थाना क्षेत्र में स्थित अपार्टमेंट ले गया जहां उसे कॉफी में नशीला पदार्थ पिला दिया, जिससे युवती बेहोश हो गई. इसके बाद आरोपी ने उसके साथ रेप की घिनौनी वारदात को अंजाम दिया. इसके बाद अगले दिन आरोपी शिवम के दोस्त शनि ने भी उससे रेप किया और तीसरे दिन एक और युवक फ्लैट में पहुंचा और उसने भी युवती से रेप की वारदात को अंजाम दिया.

तीन दिन बाद जब पीड़िता की हालत जब बिगड़ गई तो आरोपी उसे दोबारा चारबाग स्टेशन से ही ट्रेन में बिठाकर भाग गए. जिसके बाद पीड़िता ने सारी बातें अपने परिवार को दी.

भाजपा के ये विधायक सामूहिक विवाह में करेंगे शादी, पीएम मोदी को बताया वजह

विधायक दीपेश साहू का यह फैसला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है. विधायक का समर्थन करने वाले लोग उनके इस कदम को एक मिसाल के तौर पर पेश कर रहे हैं. इस सामूहिक विवाह का आयोजन बड़े पैमाने पर होने की उम्मीद है.

(जीएनएस)।

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (इखढ) के विधायक दीपेश साहू सामूहिक विवाह में शादी करने वाले हैं. 31 मई को सरकार की ओर से आयोजित 'मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना' में दीपेश भी अन्य जोड़ों के साथ शादी के बंधन में बंध जाएंगे. उन्होंने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को क्रेडिट दिया है.

दीपेश साल 2023 में तत्कालीन कांग्रेस के विधायक को हराकर विधानसभा पहुंचे थे. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 35 साल के दीपेश भाजपा के टिकट से पहली बार विधायक बने हैं. उन्होंने कहा कि वो अपने इस कदम से सादगी का संदेश देना चाहते हैं. वो भी ऐसे वक्त पर, जब प्रधानमंत्री मोदी खुद सादगी और संयम अपनाने की बात कर रहे हैं.

दीपेश साहू का यह फैसला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है. विधायक का समर्थन करने वाले लोग उनके इस कदम को एक मिसाल के तौर पर पेश कर रहे हैं. इस सामूहिक विवाह का आयोजन बड़े पैमाने पर होने की उम्मीद है. रिपोर्ट के मुताबिक, कार्यक्रम में सूबे के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय खुद भी शामिल हो सकते हैं. उनके साथ दोनों उप-मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा भी शामिल होंगे.

इनके अलावा विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू के साथ कई अन्य वीआईपी लोग शामिल होंगे. अपनी सादगी भरी शादी के बारे में बात करते हुए दीपेश ने कहा कि वो इस वैश्विक संकट के दौर में सामूहिक शादी करके साहू समाज के साथ-साथ अन्य लोगों को भी एक संदेश देना चाहते हैं.

दीपेश साहू को अपने इलाके के जमीनी नेता के तौर पर जाना जाता है. सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारी करने वाले अधिकारियों के मुताबिक, तैयारियां तेजी से चल रही हैं. 31 मई को होने वाला प्रोग्राम हालिया सालों में हुए ऐसे कार्यक्रमों से बड़ा और भव्य बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है.

आज के समय लोग दिखावे के लिए लाखों-करोड़ों रुपये शादियों में खर्च कर देते हैं. ऐसे में कुछ लोगों को ये स्टेटस मेंटेन करने की चक्कर में कर्ज भी लेना पड़ता है. इसलिए सरकार ऐसे सामूहिक विवाह कार्यक्रमों का आयोजन कराती है, जिनमें वो लोग शादी करते हैं, जो शादी के दौरान होने वाले खर्च का भार नहीं उठा सकते हैं.

क्या सिर्फ हिंदुओं के मुख्यमंत्री हैं? सीएम योगी के माफिया वाले बयान पर एआईएमआईएम की प्रतिक्रिया

(जीएनएस)।

सीएम योगी के बयान 'अब कोई माफिया खुली जीप में चलकर पिस्टल लहराते हुए किसी हिंदू को धमका नहीं सकता' पर एआईएमआईएम प्रवक्ता शादाब चौहान की प्रतिक्रिया सामने आई है.

मऊ दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि अब कोई माफिया खुली जीप में चलकर पिस्टल लहराते हुए किसी हिंदू को धमका नहीं सकता. योगी आदित्यनाथ के बयान पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (अक्टक्ट) प्रवक्ता शादाब चौहान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है.

एआईएमआईएम प्रवक्ता शादाब चौहान ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर कहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहते हैं कि कोई भी व्यक्ति तमंचा लेकर हिंदू को नहीं डरा सकता', इसका मतलब है कि वो मुसलमानों, सिखों, इसाई, पारसी और बौद्ध आदि धर्म के लोगों को लोगों को डरा सकता है.

'क्या सिर्फ हिंदुओं के मुख्यमंत्री हैं योगी?'

मुख्यमंत्री के बयान पर उन्होंने कहा कि, सीएम योगी के इस बयान का मतलब यह है कि वो सिर्फ हिंदुओं के मुख्यमंत्री हैं. एआईएमआईएम प्रवक्ता शादाब चौहान ने सवाल उठाते हुए पूछा है कि "क्या योगी आदित्यनाथ सिर्फ हिंदुओं के मुख्यमंत्री हैं या उत्तर प्रदेश की 24 करोड़ जनता के मुख्यमंत्री हैं?"

टॉप-10 माफियाओं की सूची जारी करने की सरकार को चुनौती

एआईएमआईएम प्रवक्ता शादाब चौहान ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चुनौती देते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के टॉप10 माफियाओं की सूची जारी करे और हिम्मत हो तो उन पर सामान रूप से बुलडोजर कार्रवाई करे. उन्होंने कहा है कि क्या एनसीआरबी के आंकड़े झूठे हैं? उन्होंने कहा कि एनसीआरबी का डेटा बताता है कि महिला अपराध में उत्तर प्रदेश नंबर1 पर आ गया है.

सड़क पर धार्मिक आयोजन पर रोक पर प्रतिक्रिया

इसके अलावा एआईएमआईएम प्रवक्ता शादाब चौहान ने पर्व में व्यवधान उत्पन्न करने को लेकर दिए गए सीएम योगी के बयान पर कहा है कि सभी जानते हैं कि पर्व में कौन व्यवधान उत्पन्न कर रहा है और कौन मारीच और ताड़का का रूप धारण कर रहा है. एआईएमआईएम प्रवक्ता शादाब चौहान ने सड़क पर धार्मिक आयोजनों पर रोक लेकर कहा कि क्या सरकार सावन महीने में कांवड यात्रा को लेकर सड़क बंद नहीं की जाएगी, क्या कावंडियों पर पुष्प वर्षा नहीं की जाएगी.

एआईएमआईएम प्रवक्ता शादाब चौहान ने अपने बयान के आखिरी में कहा है कि, योगी आदित्यनाथ एक धर्म के मुख्यमंत्री नहीं हैं और देश संविधान से चलेगा, न कि किसी की अपनी निजी सोंच और विचार से देश नहीं चल सकता है. उन्होंने कहा है कि कानून सभी के लिए एक सामान लागू होना चाहिए.

छूटे हुए छात्रों को एनटीए ने दिया एक और मौका, अब किस तारीख तक खुला रहेगा पोर्टल?

(जीएनएस)।

देशभर के लाखों ठएएळ वक्क 2026 अभ्यर्थियों के लिए बड़ी राहत की खबर आई है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने परीक्षा फीस रिफंड से जुड़ी प्रक्रिया को लेकर छात्रों को एक और मौका दिया है। अब उम्मीदवार 22 जून 2026 तक अपने बैंक खाते की जानकारी जमा कर सकेंगे। पहले यह प्रक्रिया 27 मई को बंद होने वाली थी, लेकिन बड़ी संख्या में छात्रों के अधूरी प्रक्रिया में फंसे रहने के बाद एजेंसी ने समय बढ़ाने का फैसला लिया।

NTA का कहना है कि कई छात्रों को जानकारी देर से मिली, जबकि कुछ उम्मीदवार तकनीकी परेशानी के कारण समय पर बैंक डिटेल अपडेट नहीं कर पाए। ऐसे में छात्रों को परेशानी से बचाने और रिफंड प्रक्रिया पूरी कराने के लिए पोर्टल दोबारा खोला गया है। एजेंसी ने छात्रों से तय समय के अंदर सही जानकारी भरने की अपील की है।

22 जून तक खुला रहेगा पोर्टल

NTA के अनुसार अब छात्र 22 जून 2026 रात 11:50 बजे तक अपनी बैंक खाते की जानकारी जमा कर सकते हैं। इसके लिए उम्मीदवारों को ठएएळ वक्क 2026 के आधिकारिक रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर लॉगिन करना होगा। वहां रिफंड लिंक के जरिए बैंक डिटेल भरने की सुविधा दी गई है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

शुरू हो रहा डीके शिवकुमार का शासन

कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा करके बृहस्पतिवार को त्याग पत्र दे दिया और यह भी स्पष्ट कर दिया कि उनके उत्तराधिकारी अब उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार होंगे। दरअसल मई 2023 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को बहुमत मिला तो पाटा ने सिद्धरमैया को मुख्यमंत्री बनने का अवसर दिया। दूसरी तरफ उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने चुनाव परिणाम घोषित होते ही मुख्यमंत्री पद पर अपना दावा ठोंक दिया था। शिव कुमार का तर्क था कि उन्होंने चुनाव में पाटा के लिए संसाधन जुटाए और कार्यकर्ता भी उन्हें ही मुख्यमंत्री पद पर देखना चाहते हैं। उस वक्त तो जैसे तैसे डीके शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री पद के लिए पाटा नेतृत्व ने सहमत कर लिया था किन्तु सिद्धरमैया को कांग्रेस द्वारा दो टूक कह दिया गया था कि दावा तो डीके शिवकुमार का मुख्यमंत्री पद का बनता है फिर भी अभी तो आप बन जाइए किन्तु जब कभी भी त्यागपत्र देने के लिए कहा जाए, शीर्ष नेतृत्व के निर्देश का पालन करके पद छोड़ देना होगा। माना जा रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व को इस बात का एहसास हो गया है कि 2028 में होने वाले चुनाव में डीके शिवकुमार के सहयोग के बिना सिद्धरमैया कांग्रेस को दोबारा चुनाव नहीं जिता पाएंगे। कांग्रेस नेतृत्व को डीके शिवकुमार ने एहसास दिला दिया है कि यदि उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो आगामी विधानसभा चुनाव में वह मदद नहीं करेंगे। यह सच है कि शिवकुमार बड़े व्यवसायी हैं और व्यवसायियों में उनकी गहरी पैठ है। इसलिए कांग्रेस को सहयोग राशि का प्रबंध कराने में उन जैसा कोई अन्य नेता कांग्रेस में है ही नहीं। यही कारण कि जब तक शिवकुमार को पाटा नेतृत्व मना पाया तब तक मनाया, लेकिन जब देखा कि अब और अधिक वह मानने वाले नहीं हैं तब विवश होकर सिद्धरमैया को त्यागपत्र का निर्देश देना ही पड़ा। अब विधानसभा की शेष दो वर्ष की अवधि बची है जिसका उपयोग डीके शिवकुमार करेंगे ताकि मई 2026 से मई 2028 तक पाटा को इतना लोकप्रिय बना दें कि एक बार फिर 2028 में पाटा चुनाव जीत जाएं। बहरहाल, कांग्रेस नेतृत्व राजस्थान दोहराने की दोबारा गलती नहीं करना चाहती थी। यही कारण है कि जिस तरह अशोक गहलोत के सामने झुक कर सचिन पायलट की उपेक्षा की और पायलट के समर्थकों को जलील होना पड़ा, वह गलती कर्नाटक में कांग्रेस ने दोहराने की गलती नहीं की। सच तो यह भी है कि तीन साल के शासनकाल में सिद्धरमैया शासन के खिलाफ लोगों में नाराजगी होना स्वाभाविक है किन्तु जब वह पद से हट जाएंगे और नए मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार बनेंगे तो सत्ता विरोधी रूझान का असर कम ही रहेगा। पार्टियां अगले चुनाव में सफलता हासिल करने के लिए भी यही तरीका अपनाती हैं। चुनाव की आहट होते ही किसी नए को मुख्यमंत्री बना देती हैं ताकि पुराने चेहरे को भूल कर वोटर नए चेहरे पर भरोसा करके वोट दे दें। लब्बोलुआब यह है कि कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन सामान्य घटना है। इससे पाटा के अन्दर स्थिरता और सत्ता में वापसी दोनों की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

चीन-पाकिस्तान की उड़ेगी नींद! भारत खरीदने जा रहा 'सबसे खतरनाक' रूसी एयर डिफेंस सिस्टम की एक्स्ट्रा यूनिट

डिफेंस को लेकर रूस से भारत फिर एक बड़ी खरीद करने जा रहा है। भारत की इस खरीद से चीन और पाकिस्तान में दहशत पैदा हो सकती है। भारत रूस से वही डिफेंस सिस्टम की अतिरिक्त खरीद करने जा रहा है, जो कि भारत जंग में खुद टेस्ट कर चुका है। रूस के सबसे शक्तिशाली एयर डिफेंस सिस्टम की भारत एक्स्ट्रा यूनिट खरीदने जा रहा है

(जीएनएस)।

नई दिल्ली: चीन और पाकिस्तान की नींद उड़ना तय है, क्योंकि भारत अपने पुराने दोस्त रूस से उसके खतरनाक एयर डिफेंस सिस्टम की एक्स्ट्रा खेप खरीदने जा रहा है। ये वो एयर डिफेंस सिस्टम है, जिसे भारत जंग के मैदान में आजमाकर देख चुका है। रूस के इस खतरनाक 'आसमानी सुरक्षा कवच' ने भारत और पाकिस्तान की जंग में ढवाक की धज्जियां उड़ा दी थी। रूसी सरकारी मीडिया नेटवर्क फ्ल कल्लां के मुताबिक भारत ने अब लंबी दूरी तक मार करने वाले S-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की अतिरिक्त खेप खरीदने का मन बना लिया है।

डिलीवरी को लेकर बातचीत जारी

आरटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, रूस की फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री-टेक्निकल कोऑपरेशन ने इस बात की पुष्टि की है कि भारत, S-400 लंबी दूरी की एयर डिफेंस सिस्टम की एक्स्ट्रा खेप खरीदने के लिए रूस के साथ बातचीत कर रहा है। रूस की फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री-टेक्निकल कोऑपरेशन के मुताबिक रूस और भारत S-400 ट्रायम्फ एयर डिफेंस सिस्टम की एक और खेप की डिलीवरी को लेकर बातचीत कर रहे हैं।

इन्वेंट्री के विस्तार की प्लानिंग

रूस ने इस डील को लेकर जारी बातचीत की जानकारी देते हुए कहा कि S-400 ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान खुद को साबित किया है। अब भारत 2018 की डील के तहत ऑर्डर किए गए 5 रेजिमेंटल सेट से आगे बढ़कर अपनी इन्वेंट्री का विस्तार करने में दिलचस्पी दिखा रहा है।

क्या है S-400 की खासियत

लंबी मारक क्षमता: एस-400 की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस सिस्टम में अलग-अलग रेंज की मिसाइलें तैनात की जाती हैं। सबसे कम दूरी की मिसाइल की रेंज 40 किलोमीटर तो सबसे लंबी दूरी की मिसाइल की रेंज 400 किलोमीटर होती है। रूसी एस-400 आसमान में 30 किलोमीटर की ऊंचाई तक के टारगेट को निशाना बना सकता है।

हाई-टेक रडार: इस डिफेंस सिस्टम के रडार कमाल के हैं। एस-400 दूरी के मामले में 600 किलोमीटर दूर से ही दुश्मन के लड़ाकू जहाजों के बारे में पता कर लेता है। स्टेल्थ विमान भी इससे बच नहीं पाते और डिटेक्ट हो जाते हैं।

एक साथ कई निशाने: एस-400 का कमांड सिस्टम एक बार में करीब 300 टारगेट पर एक साथ नजर रख लेता है। इतना ही नहीं अगर एक ही समय में 80 टारगेट भी सामने आ जाएं तो रूसी एयर डिफेंस सिस्टम उन्हें एक साथ निशाना बना सकता है।

तेजी से तैनाती: एस-400 सिस्टम पूरी तरह से मूव करने लायक है। ट्रकों की मदद से इसे कहीं पर भी आसानी से ले जाया जा सकता है। इसे महज 10 मिनट के अंदर इस्तेमाल करने के लिए तैयार किया जा सकता है।

अभेद सिक्योरिटी कवर: अगर एस-400 की पहली मिसाइल से टारगेट किसी भी वजह से चूक जाता है तो यह सेकंड्स के अंदर दूसरी मिसाइल दाग देता है।

ऑपरेशन सिंदूर में निभाई थी भूमिका

ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान को उसकी जमीन पर धूल चटा दी, लेकिन बदले की कार्रवाई के तौर पर पाकिस्तान हमारा कुछ भी नहीं बिगाड़ पाया। पड़ोसी मुल्क भारत पर ड्रोन और मिसाइलें बरसाने की नाकाम कोशिशें करता रहा, लेकिन भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तानी हथियारों की एक न चलने दी। भारत की इस मजबूत सुरक्षा प्रणाली में रूस के एस-400 डिफेंस सिस्टम ने बड़ी भूमिका निभाई थी।

क्या है फिजी पोर्ट प्रोजेक्ट? भारत समेत चार देश मिलकर ऐसे निकालेंगे चीन की हेकड़ी

भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान फिजी में एक आधुनिक बंदरगाह विकसित करने जा रहे हैं। आइए जानते है कि चीन के लिए यह क्यों है खतरनाक।

हिंद प्रशांत क्षेत्र में एक बड़ा भू राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के विदेश मंत्रियों ने क्वाड गठबंधन के तहत फिजी में एक आधुनिक बंदरगाह विकसित करने पर संयुक्त रूप से सहमति जताई है। इस घोषणा को एक जरूरी रणनीतिक कदम के तौर पर देखा जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रशांत महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम करना और हिंद प्रशांत क्षेत्र में क्वाड की मौजूदगी को मजबूत करना है।

क्या है फिजी बंदरगाह परियोजना?

फिजी बंदरगाह परियोजना एक संयुक्त बुनियादी ढांचा और समुद्री

पहल है। इसके तहत क्वाड के चारों देश मिलकर फिजी में एक उच्च क्षमता वाला बंदरगाह बनाएंगे। साथ ही उसका आधुनिकीकरण करेंगे। प्रशांत महासागर में स्थित फिजी प्रमुख समुद्री मार्गों पर काफी ज्यादा रणनीतिक स्थिति रखता है। इस परियोजना के जरिए क्वाड का उद्देश्य कनेक्टिविटी को मजबूत करना, समुद्री लॉजिस्टिक्स में सुधार करना और प्रशांत क्षेत्र में अपनी रणनीतिक उपस्थिति का विस्तार करना है। इस परियोजना से व्यापार पहुंच में सुधार होने और प्रशांत द्वीप देशों को चीन द्वारा वित्तपोषित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकल्प उपलब्ध होने की भी उम्मीद है।

यह परियोजना भू राजनीतिक रूप से क्यों जरूरी है?

कई सालों से चीन अपनी बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव के तहत बुनियादी ढांचे में निवेश, ऋण और बंदरगाह परियोजनाओं के जरिए से पूरे हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है। बीजिंग के आलोचकों ने बार-बार चीन पर छोटे देशों पर रणनीतिक बढ़त हासिल करने के लिए ऋण जाल कूटनीति का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। फिजी में एक मजबूत उपस्थिति स्थापित करके क्वाड देश इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभुत्व को संतुलित करने का प्रयास कर रहे हैं।

समुद्री सुरक्षा का एक प्रमुख केंद्र बिंदु

प्रस्तावित बंदरगाह सिर्फ एक वाणिज्यिक बुनियादी ढांचा परियोजना नहीं है। इस पहल से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक यह परियोजना पूरे हिंद प्रशांत क्षेत्र में समुद्री निगरानी क्षमताओं को मजबूत करने में मदद करेगी। इसमें शामिल देश अवैध मछली पकड़ने, तस्करी के नेटवर्क और संदिग्ध नौसैनिक गतिविधि की काफी ज्यादा प्रभावी ढंग से निगरानी कर सकेंगे। यह बंदरगाह मानवीय अभियान, आपदा राहत मिशन और समुद्री सुरक्षा गश्त के दौरान क्वाड नौसेना के बीच लॉजिस्टिक्स समन्वय को भी बढ़ा सकता है।

भारत के लिए क्यों है यह प्रोजेक्ट जरूरी?

भारत के लिए फिजी का रणनीतिक और सांस्कृतिक दोनों ही तरह से काफी बड़ा महत्व है. अक्सर प्रशांत क्षेत्र के मिनी इंडिया के रूप में पहचाने जाने वाले फिजी में भारतीय मूल के लोगों की एक बड़ी आबादी रहती है. इनके पूर्वज औपनिवेशिक काल के दौरान अनुबंधित मजदूरों के रूप में यहां आए थे. हिंदी को भी देश की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है. भारत के लिए फिजी के साथ मजबूत संबंध प्रशांत क्षेत्र में उसके राजनयिक और नौसैनिक प्रभाव का विस्तार करने में मदद करते हैं. इसी के साथ ग्लोबल साउथ की एक प्रमुख आवाज के रूप में उसकी स्थिति को भी मजबूती मिलती है.

यूपी में क्यों भाग रही हैं बीवियां, कोई 4 बच्चों की मां... तो कोई नई नवेली दुल्हन, इन घटनाओं ने उड़ाए होश

(जीएनएस)।

लखनऊ: उत्तर प्रदेश से आए दिन आपको सुनने को मिलता होगा कि एक शख्स की पत्नी अपने प्रेमी के साथ भाग गई. कई तो ऐसी घटनाएं है जिसमें 4 बच्चों की मां प्रेमी के साथ फरार हो गई, तो कोई महिला अपने 17 साल पुराने प्रेमी के साथ भाग गई. ऐसे में पति शर्म से किसी को मुंह दिखाने के काबिल नहीं रहते. हम आज ऐसी कई घटनाओं की बात करेंगे, जो सोशल मीडिया के लिए तो एक एंटरटेनमेंट का टॉपिक है लेकिन जिस घर की महिला भागती है उस घर की दुनिया उजड़ जाती है.

आज हापुड़ से एक खबर सामने आई जहां नगर कोतवाली क्षेत्र के बदनौली गांव से चार बच्चों की मां अपने प्रेमी संग बच्चों को छोड़कर फरार हो गई. पीड़ित पति जब घर पहुंचा तो उसे पत्नी के जाने की जानकारी हुई. अब पीड़ित पति ने हापुड़ एसपी से न्याय की गुहार लगाई है. पीड़ित अरुण कुमार ने बताया कि उसकी शादी 15 साल पहले हुई थी उसके चार बच्चे भी हैं उसकी पत्नी पड़ोस के एक युवक के साथ फरार हो गई और घर से नगदी और जेवर भी

लेकर गई है. फिलहाल पति की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है.

ऐसा ही एक मामला कुछ दिन पहले कानपुर से सामने आया था. जहां एक पत्नी अपने पति को छोड़कर अपने आशिक साथ भाग गई. पत्नी के भागने का सीसीटीवी वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था. जिसमें साफ दिख रहा था कि घर से बैग लेकर पत्नी निकली है. इस पूरे मामले में पति ने बताया था कि उसने एक रोज पत्नी को फोन पर एक युवक से बात करते हुए पकड़ा लिया था. उसके बाद से ही पत्नी फरार होने का प्लान बना रहीं थीं और जब रात में मौका मिला तो बैग में कैश और ज्वेलरी रखकर फरार हो गई.

कुछ महीने पहले बांदा में एक नवविवाहिता शादी के 30 दिन बाद अपने प्रेमी के साथ भाग निकली थी. उसका प्रेमी कोई और नहीं बल्कि उसकी शादी में जो फोटोग्राफर था वहीं निकला. जिससे युवती की शादी हुई थी वह डॉक्टर था, लेकिन उसका दिल शादी के दिन फोटोग्राफर पर आ गया. डॉक्टर ने पत्नी भागने के 3 दिन तक तो पुलिस में शिकायत शर्म और समाज की वजह से नहीं की. बाद में जब वह थाने गया तो आरोप लगाते हुए कहा कि दुल्हन करीब 25 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर और नकदी साथ ले गई.

वहीं हरदोई में एक पत्नी अपने प्रेमी साथ फरार हो गई थी जिसके बाद उसके पति ने फांसी लगाकर खुद की जान दे दी थी. उसकी उम्र मात्र 35 साल थी और वह मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था. वहीं एक और घटना हरदोई से सामने आई थी जहां एक पत्नी अपने प्रेमी के साथ भाग गई थी जब पुलिस ने उस महिला को ढूंढ निकाला तो गुस्से में उसके पति ने पुलिस कस्टडी में ही पत्नी को गोली मार दी.

वहीं मुजफ्फरनगर में भी 4 बच्चों की मां अपने पति को छोड़कर प्रेमी के साथ फरार हो गई थी. पति ने थाने के दर-दर चक्कर काटे और पुलिस से कहता रहा 'साहब, बच्चों का पालन-पोषण कैसे करूं? काम करूं या बच्चे पालूं? मेरी बीवी को बरामद कर दो.'

इजराइल के लिए भारत इतना 'जरूरी' क्यों? नेतन्याहू की तारीफ के पीछे छिपे हैं ये 5 बड़े कारण

(जीएनएस)।

ईरान के साथ बढ़ते तनाव और गाजा युद्ध के बीच इजराइल एक बार फिर वैश्विक दबाव और आलोचना का सामना कर रहा है। ऐसे माहौल में इजराइली प्रधानमंत्री Benjamin Netanyahu का भारत और भारतीयों को लेकर दिया गया बयान काफी चर्चा में है।

नेतन्याहू ने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में इजराइल के खिलाफ माहौल है, लेकिन भारत अलग खड़ा नजर आता है। उन्होंने भारत को खास दोस्त और भरोसेमंद साझेदार बताया। सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्या है, जिसकी वजह से इजराइल भारत को इतना अहम मानता है? आइए आसान भाषा में समझते हैं इसके पीछे के बड़े कारण।

मुश्किल समय में भारत ने नहीं बनाई दूरी

गाजा युद्ध और ईरान तनाव के दौरान कई देशों ने इजराइल की खुलकर आलोचना की। लेकिन भारत ने संतुलित रुख अपनाया। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त बयान दिए, साथ ही आम लोगों की सुरक्षा और मानवीय मदद की बात भी की। इजराइल को लगता है कि भारत ऐसा देश है जो दबाव में आकर रिश्ते नहीं बदलता। यही वजह है कि नेतन्याहू बार-बार भारत को भरोसेमंद साथी बता रहे हैं। उनके लिए यह समर्थन सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी बहुत अहम है।

मोदी और नेतन्याहू की मजबूत बॉन्डिंग

प्रधानमंत्री ठ्ठ्ठ्रिव्रटे ट्र्ज्ञ् और नेतन्याहू के रिश्ते पिछले कुछ वर्षों में काफी मजबूत हुए हैं। दोनों नेताओं की कई मुलाकातें और साझा कार्यक्रम चर्चा में रहे हैं। भारत और इजराइल ने अपने संबंधों को "स्पेशल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप" तक पहुंचा दिया है। नेतन्याहू जानते हैं कि भारत में मोदी की लोकप्रियता बहुत ज्यादा है। ऐसे में भारत की तारीफ करना दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत संदेश देने जैसा माना जा रहा है। यह व्यक्तिगत केमिस्ट्री भी रिश्तों को नई दिशा दे रही है।

रक्षा और टेक्नोलॉजी में गहरी साझेदारी

भारत और इजराइल आज रक्षा और टेक्नोलॉजी के बड़े पार्टनर बन चुके हैं। मिसाइल सिस्टम, ड्रोन, साइबर सिक्योरिटी और अकजैसे क्षेत्रों में दोनों देश तेजी से साथ काम कर रहे हैं। भारत इजराइल के लिए बड़ा बाजार है, जबकि इजराइल भारत को एशिया में मजबूत रणनीतिक सहयोगी मानता है। मौजूदा तनाव के बीच इजराइल चाहता है कि भारत उसके साथ मजबूती से जुड़ा रहे। यही कारण है कि नेतन्याहू भारत की अहमियत को खुलकर दुनिया के सामने दिखा रहे हैं।

भारतीय जनता में इजराइल की सकारात्मक छवि

पिछले कुछ वर्षों में भारत में इजराइल को लेकर सकारात्मक सोच काफी बढ़ी है। खासकर सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दों पर कई लोग इजराइल की नीति को मजबूत मानते हैं। सोशल मीडिया पर भी इजराइल के समर्थन में बड़ी संख्या में पोस्ट देखने को मिलती हैं। नेतन्याहू ने इसी बात का जिक्र करते हुए कहा कि उनके सबसे ज्यादा फॉलोअर्स भारत से हैं। इससे साफ है कि इजराइल सिर्फ भारतीय सरकार से नहीं, बल्कि भारत की जनता को भी अपने बड़े समर्थक के रूप में देखता है।

मोटारोला फोन्स में खुल रहा था छुपा हुआ लिंक, जानिए उस 'बग' का सच जिसे कंपनी ने किया ठीक

(जीएनएस)।

स्मार्टफोन्स में एमेजॉन ऐप खोलने पर कुछ सेकंड्स के लिए यूजर्स एक लिंक पर रीडायरेक्ट हो रहे थे। ऐसे मामले अमेरिका में सामने आए। कंपनी ने इस समस्या को सुलझा लिया है। बताया है कि यह रीडायरेक्ट 'Device Native' नाम की एक कंपनी के साथ उनकी पार्टनरशिप के कारण हुआ।

इस समस्या एक रेडिट यूजर और 9to5Google ने पहचाना।

Motorola स्मार्टफोन्स से जुड़ी एक खबर ने चौंका दिया है। कंपनी ने अपने फोन में आई एक समस्या या 'बग' को स्वीकार करते हुए उसे ठीक कर दिया है। बग के कारण अमेरिका में मोटोरोला के कई फोन्स में जब यूजर एमेजॉन ऐप को खोलते थे तो ऐप असल में खुलने से पहले कुछ सेकंड्स के लिए रीडायरेक्ट हो जाता था। वह एक लिंक पर रीडायरेक्ट होता था। यह सब यूजर्स की जानकारी के बिना हो रहा था और बैकग्राउंड में एफिलिएट कोड (कमाई करने वाले ट्रैकिंग कोड) डालने के लिए ऐसा किया जा रहा था।

एमेजॉन से पहले खुल रहा था लिंक

91मोबाइल्स की रिपोर्ट में बताया गया है कि इस समस्या को एक रेडिट यूजर और 9to5Google ने पहचाना।

रिपोर्ट के अनुसार, मोटोरोला के कुछ फोन्स में 'ऐप ड्रॉअर' (जहां फोन के सारे ऐप्स एकसाथ दिखते हैं), वहां से एमेजॉन ऐप खोलने पर कुछ पल के लिए एक इंटरनेट ब्राउजर विंडो खुलती थी। उसके बाद एमेजॉन ऐपल खुलता था। अगर एमेजॉन को सीधे होम स्क्रीन वाले शॉर्टकट से खोला जाता था, तो ऐसा नहीं होता था। (REF.)

क्यों खुल रहा था अनजान लिंक?

रिपोर्ट के अनुसार, यह समस्या मोटोरोला फोन्स में पहले से इंस्टॉल Smart Feed ऐप के कारण हो रही थी। यह ऐप मोटोरोला के कई नए डिवाइसेज में पहले से लोड आता है। इनमें Razr (2026) फोल्डेबल भी शामिल हैं।

फोन का सिस्टम सॉफ्टवेयर, एमेजॉन को ओपन करने से पहले फोन में चुपके से एक एफिलिएट ट्रैकिंग यूआरएल (URL) भेज रहा था।

मोटोरोला ने दी क्या सफाई?

मोटोरोला ने पूरे मामले को अनजाने में हुई गलती बताया है। कंपनी ने कहा है कि समस्या को पूरी तरह ठीक कर दिया गया है।

यह रीडायरेक्ट 'Device NOtive' नाम की एक कंपनी के साथ उनकी पार्टनरशिप के कारण हुआ।

दोनों मिलकर मोटोरोला फोन्स के लिए एक नया 'ऐप सर्च और सजेशन' (ऐप खोजने और सुझाव देने वाला) फीचर तैयार कर रहे थे, जिसमें गड़बड़ी हो गई।

मोटोरोला ने कहा है कि अमेरिका (US) के जो यूजर्स एमेजॉन शॉपिंग ऐप खोल रहे थे, केवल वे ही उस ट्रैकिंग लिंक पर जा रहे थे।

किन फोन्स में आई समस्या?

रिपोर्ट के अनुसार, कुछ खास मोटो फोन्स में समस्या को देखा गया। नए Razr Fold फोन जिसमें 'Smart Feed' का वर्जन 2.03.0070 चल रहा था, उसमें समस्या दिखी। अन्य मोटो फोन्स में ऐसा नहीं हुआ।

क्या भारतीय यूजर्स को चिंता करनी चाहिए? भारतीय यूजर्स को बिलकुल भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। यह परेशानी चुनिंदा अमेरिकी यूजर्स को ही देखनी पड़ी है।

अब समस्या को सुलझा लिया गया है और कोई गलत लिंक नहीं खुल रहा।

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा 19 साल का सबसे बड़ा रिकॉर्ड, रोहित, कोहली और सहवाग सबको पछाड़ा

(जीएनएस)।

आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ क्वालिफायर-2 मुकाबले में अपने करियर के 1000 आईपीएल रन पूरे कर लिए हैं। केवल 15 साल की उम्र में इस खिलाड़ी ने बल्लेबाजी का ऐसा कोहराम मचाया है, जिसे देखकर क्रिकेट जगत के बड़े-बड़े दिग्गज भी पूरी तरह हैरान रह गए हैं।

वैभव सूर्यवंशी अब आईपीएल इतिहास में सबसे कम गेंदें खेलकर 1000 रन पूरे करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इस जादुई आंकड़े तक पहुंचने के लिए उन्होंने महज 440 गेंदों का सामना किया। बिहार के इस वंडर बॉय ने अपनी आतिशी और बेखौफ बल्लेबाजी के

दम पर टी20 क्रिकेट के कई बड़े और ऐतिहासिक रिकॉर्ड्स को तहस-नहस कर दिया है।

सभी दिग्गजों को दी मात

इस मामले में वैभव ने दुनिया के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों को बहुत पीछे छोड़ दिया है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर कोलकाता नाइट राइडर्स के आंद्रे रसेल हैं, जिन्होंने 1000 आईपीएल रन बनाने के लिए 545 गेंदें ली थीं। वैभव ने रसेल जैसे धाकड़ बल्लेबाज से भी 105 गेंदें कम खेलकर इस महारिकॉर्ड को अपने नाम दर्ज किया है।

इतना ही नहीं, वैभव सूर्यवंशी ने आरसीबी के विस्फोटक फिनिशर टिम डेविड को भी पछाड़ दिया है। टिम डेविड ने आईपीएल में अपने एक हजार रन पूरे करने के लिए 560 गेंदें का सामना किया था। लेकिन सिर्फ 15 साल के इस भारतीय लड़के ने अपनी टाइमिंग और ताकत के अनूठे मिश्रण से इस रिकॉर्ड को बेहद बौना साबित कर दिया।

लखनऊ की 'नौसेना शौर्य वाटिका' में दिखेगा भारतीय नौसेना का पराक्रम, सीएम योगी और रक्षा मंत्री करेंगे उद्घाटन

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 'नौसेना शौर्य वाटिका' का लोकार्पण 30 मई को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे।

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में तैयार 'नौसेना शौर्य वाटिका' का 30 मई को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकार्पण करेंगे। यह वाटिका भारतीय नौसेना की वीरता, पराक्रम एवं तकनीकी क्षमता को समर्पित है। सीजी सिटी में तैयार यह वाटिका योगी सरकार की तरफ से प्रदेशवासियों के लिए तोहफे के रूप में देखी जा रही है।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने लोकार्पण समारोह को लेकर बताया कि नौसेना शौर्य वाटिका' भारतीय नौसेना के वीर सेनानियों को समर्पित श्रद्धांजलि स्थल है। यह संग्रहालय भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। युवाओं में राष्ट्रभक्ति और सैन्य गौरव की भावना को भी प्रबल करेगा। आगंतुक इस संग्रहालय को देखकर नौसेना के

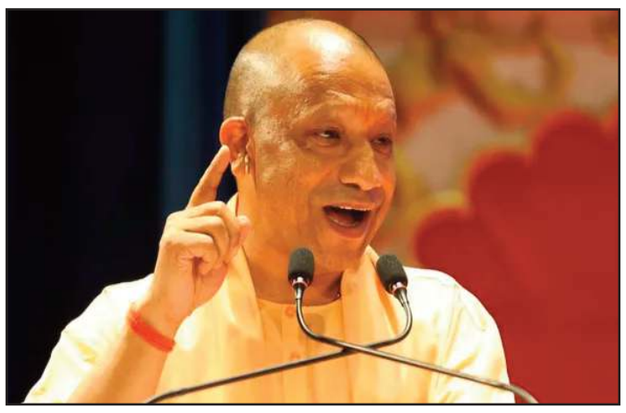

कर्तव्य एवं पराक्रम पर गर्व करेंगे।

राजधानी के पर्यटन मानचित्र पर नया गंतव्य

पर्यटन मंत्री ने आगे बताया कि 'नौसेना शौर्य वाटिका राजधानी के पर्यटन मानचित्र पर नए गंतव्य के रूप में जुड़ने जा रही है। भारतीय नौसेना से सेवानिवृत्त पोत आईएनएस गोमती दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित करेगा। उन्होंने बताया कि भारतीय नौसेना एवं उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विकसित यह परियोजना अत्याधुनिक ओपन एयर म्यूजियम एवं इंटरप्रिटेशन सेंटर के रूप में तैयार की गई है।

दर्शकों के लिए यह होगा खास

नौसेना शौर्य वाटिका में भारतीय नौसेना से सेवानिवृत्त युद्धपोत आईएनएस गोमती स्थापित किया गया है, जो कि आकर्षण का मुख्य केंद्र होगा। यह युद्धपोत 28 मई 2022 को सेवा से रिटायर हुआ था। वहीं एंकर, एके-726 मीडियम रेंज तोप, सीईटी-53 एम पनडुब्बी अवरोध, जिफ-101 लॉन्चर विद आरजे, कैपस्टन ड्रम, मुख्य मस्तूल और जहाज का प्रोपेलर शामिल हैं।

मिलेगी समुद्री सुरक्षा से जुड़ी जानकारी

पर्यटन मंत्री ने बताया कि नौसेना शौर्य वाटिका आने वाले समय में देश के प्रमुख सैन्य पर्यटन केंद्रों में शामिल होगा। यहां आने वाले पर्यटक भारतीय नौसेना के इतिहास, युद्ध अभियानों, तकनीकी दक्षता और समुद्री सुरक्षा की व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही यह स्थल बच्चों और युवाओं में राष्ट्रभक्ति तथा रक्षा सेवाओं के प्रति आकर्षण बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

'लव, पैसा और धोखा', कौन है रोनिशा सत्ती? मंगेतर पर लगाए बदनाम करने का आरोप, अब पहुंची अस्पताल

(जीएनएस)।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रोनिशा सत्ती इस वक्त सोशल मीडिया से लेकर न्यूज रूम तक चर्चित हैं, मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रोनिशा सत्ती ने कथित रूप से जहरीला पदार्थ खाकर खुद को खत्म करने की कोशिश की है लेकिन ये कदम उठाने से पहले उसने अपने सोशल हैंडल पर दो वीडियो पोस्ट किए थे, जिसमें उसने मंगेतर प्रशांत शर्मा पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

उसने वीडियो में कहा है कि ' प्रशांत ने उन्हें और उनके परिवार को परेशान किया और उनके खिलाफ झूठी अफवाहें फैलाईं हैं इसलिए वो आहत होकर खुद को खत्म करने जा रही है।' फिलहाल वो अस्पताल में भर्ती हैं, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

रोनिशा की मां रीना सत्ती ने अठक से बात करते हुए रोते हुए कहा कि 'हमारा पीछा किया गया, हमें परेशान किया गया और जब मैंने अपनी बेटी की सुरक्षा के लिए गुहार लगाई, तो किसी ने हमारी मदद नहीं की,अगर मेरी बेटी को कुछ होता है, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? मुझे इंसाफ चाहिए। अगर पांच दिनों के अंदर मुझे इंसाफ नहीं मिला तो मैं अपनी जान दे दूंगी। इसकी ज़िम्मेदारी खड पुलिस और क्राइम ब्रांच की होगी।'

'प्रशांत ने रोनिशा के नाम का फर्जी सोशल मीडिया पेज बनाया'

उन्होंने कहा कि 'प्रशांत ने रोनिशा के खिलाफ एक नकली सोशल मीडिया पेज बनाया और उस पर उनके बारे में आपत्तिजनक बातें लिखीं, जिससे मजबूर होकर रोनिशा ने आत्महत्या की कोशिश की। उसने मेरी बेटी और पूरे परिवार की तस्वीरें भी अपलोड कीं और झूठ फैलाकर हमें बदनाम किया, मेरे पति एक ऑटो ड्राइवर थे।'

'मेरी बेटी से लिए 10 लाख, अब शादी से कर रहा इनकार'

'उन्होंने बच्चों को पढ़ाने के लिए एजुकेशन लोन लिया था। हमने आखिर क्या गुनाह किया था? मैं तो बस घर का खर्च चलाने के लिए कपड़े सिलने का काम करती थी, प्रशांत ने मेरी बेटी से 10 लाख रु लिए थे लेकिन उसने पैसे नहीं लौटाए, उल्टा मेरी बेटी को बदनाम करने की कोशिश की और अब वो शादी से भी मुकर गया है।'

प्रशांत शर्मा के वकील ने आरोपों का खंडन किया

प्रशांत शर्मा के वकील ने इस घटना का दूसरा पहलू बताया जिसके हिसाब से कहानी ही उलट गई है, दरअसल एडवोकेट रजत गुप्ता ने कहा कि ' दुबई के रहने वाले प्रशांत और कश्मीर की रोनिशा सितंबर 2024 से लवरिलेशनशिप में थे, दोनों ने परिवार की सहमति से सगाई की थी। रोनिशा ने मेरे क्लाइंट, प्रशांत से कहा था कि वह शादी करके घर बसाना चाहती है। प्रशांत ने एक नार्मल पार्टनर की तरह रोनिशा को लग्जरी शॉपिंग करवाई और लाखों रुपये के महंगे तोहफे दिए, जब प्रशांत ने शादी के लिए जोर दिया, तो उसके परिवार ने बार-बार टालमटोल करने लगा।

'रोनिशा पहले से ही शादी शुदा है', प्रशांत के पति ने किया दावा

बाद में, उन्होंने उसे गालियां देना और धमकियां देना शुरू कर दिया, यह कहते हुए कि उनका शादी का कोई इरादा ही नहीं था। बाद में पता चला कि रोनिशा पहले से ही शादी शुदा है और उसके तलाक की बातें चल रही है लेकिन तलाक हुआ नहीं है। जिसके बाद प्रशांत ने ने रोनिशा और उसके परिवार के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और साज़िश का केस दर्ज किया था लेकिन अब रोनिशा के परिवार वाले पलटी मार लिए हैं। मेरे क्लाइंट ने उन सोशल मीडिया पेजों का मालिक होने से साफ इनकार कर दिया। इसी बीच, रोनिशा के भाई ने प्रशांत के सोशल मीडिया अकाउंट्स को हैक करने की कोशिश की, जिसके चलते एक साइबर शिकायत भी दर्ज की गई है।

रोनिशा ने भी दर्ज करवाई प्रशांत के खिलाफ शिकायत

रोनिशा ने भी प्रशांत के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई, जिसमें उसने आरोप लगाया कि प्रशांत ने शादी करने से मना कर दिया और पोस्ट तथा वीडियो के जरिए उसे बदनाम करने की कोशिश की। इस शिकायत के बाद उसने आत्महत्या का प्रयास किया और इस वर्त अस्पताल में भर्ती है।

कौन है इन्फ्लुएंसर रोनिशा सत्ती?

रोनिशा सत्ती जम्मू की एक जानी-मानी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। वह मुख्य रूप से इंस्टाग्राम पर अपने लाइफस्टाइल, व्लॉग्स और सोशल मीडिया पोस्ट्स के लिए काफी लोकप्रिय हैं, उनके इंस्टा पर 905K followers हैं। उनका वीडियो सामने आने के बाद उनके फैंस काफी चितिंत हो गए हैं और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

घरेलू विवाद में रेत डाला पत्नी का गला, दिल दहला देने वाली वारदात

लखनऊ के बाजार खाला इलाके में घरेलू विवाद के बाद 26 वर्षीय महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई. पुलिस ने मामले में मृतका के पति को चाकू समेत गिरफ्तार कर लिया है. उउळश फुटेज और परिवार के बयानों के आधार पर पुलिस ने आरोपी तक पहुंच बनाई. घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है और पुलिस जांच में जुटी है.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में घरेलू विवाद के चलते एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है. बाजार खाला इलाके में 26 साल की विवाहिता की गला रेतकर हत्या कर दी गई. पुलिस ने इस मामले में महिला के पति को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी के पास से हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद हुआ है.

पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान चांदनी के रूप में हुई है, जो बाजार खाला क्षेत्र के तकिया चंद अली शाह इलाके की रहने वाली थी. करीब सात साल पहले उसकी शादी मोहम्मद शाहिद से हुई थी. बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था.

बुधवार को ईदगाह गेट नंबर 12 के पास चांदनी गंभीर हालत में मिली थी. उसके गले पर धारदार हथियार से हमला किए जाने के निशान थे. स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को तत्काल केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद पुलिस ने आसपास लगे उउळश कैमरों की फुटेज खंगाली और परिवार के लोगों से पूछताछ की. जांच के दौरान सामने आया कि घरेलू विवाद के बाद पति शाहिद ने चाकू से पत्नी का गला काट दिया था.

गुरुवार को पुलिस ने आरोपी शाहिद को ऐशबाग इलाके के पास से गिरफ्तार कर लिया. उसके पास से एक चाकू बरामद किया गया है, जिसे हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार माना जा रहा है. इस मामले में मृतका के पिता मोहम्मद शफीक की शिकायत पर बाजार खाला थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है. फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले की आगे की जांच जारी है.

लखनऊ हॉस्टल में छात्रा का शव मिलने से हड़कंप, हरिद्वार का रहने वाला है परिवार, पिता गोमती नगर में करते हैं ड्राइवर का काम

(जीएनएस)।

पारुल सक्सेना लंबे समय से हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी. शुरूआती जानकारी के मुताबिक जब काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो हॉस्टल कर्मचारियों को शक हुआ. इसके बाद दरवाजा खुलवाया गया तो छात्रा का शव फंदे से लटका मिला. घटना की सूचना तुरंत हॉस्टल संचालक द्वारा पुलिस को दी गई. सूचना मिलते ही गोमतीनगर पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस जब हॉस्टल पहुंची तो परिजन शव को हरिद्वार ले जाने की तैयारी कर रहे थे. बताया जा रहा है कि बिना पुलिस को सूचना दिए शव ले जाने की कोशिश की जा रही थी. हालांकि पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

(जीएनएस)।

लखनऊः लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में स्थित एक हॉस्टल में छात्रा का शव मिलने से हड़कंप मच गया. घटना सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान के हॉस्टल की है, जहां 26 वर्षीय छात्रा पारुल सक्सेना ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली. छात्रा का शव कमरे में पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका मिला. घटना की जानकारी मिलते ही हॉस्टल में रहने वाली अन्य छात्राओं और कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई.

छात्रा का शव फंदे से लटका मिला

बताया जा रहा है कि पारुल सक्सेना लंबे समय से हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी. शुरूआती जानकारी के मुताबिक जब काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो हॉस्टल कर्मचारियों को शक हुआ. इसके बाद दरवाजा खुलवाया गया तो छात्रा का शव फंदे से लटका मिला. घटना की सूचना तुरंत हॉस्टल संचालक द्वारा पुलिस को दी गई.

सूचना मिलते ही गोमतीनगर पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस जब हॉस्टल पहुंची तो परिजन शव को हरिद्वार ले जाने की तैयारी कर रहे थे. बताया जा रहा है कि बिना पुलिस को सूचना दिए शव ले जाने की कोशिश की जा रही थी. हालांकि पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

मृतका के पिता गोमतीनगर क्षेत्र में ड्राइवर का काम करते हैं. परिवार मूल रूप से हरिद्वार से जुड़ा बताया जा रहा है. छात्रा की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है. पुलिस ने कमरे की जांच के साथ आसपास के लोगों से पूछताछ भी शुरू कर दी है. फिलहाल मौके से कोई सुसाइड नोट मिलने की जानकारी सामने नहीं आई है.

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है. छात्रा ने आत्महत्या क्यों की, इसके पीछे क्या कारण रहे, इसे लेकर पुलिस परिजनों, दोस्तों और हॉस्टल के लोगों से जानकारी जुटा रही है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति और साफ हो सकेगी. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच में जुटी हुई है.

अब 10 सर्कुलर रोड में नहीं रहेगा लालू परिवार! राबड़ी देवी को क्यों मिला घर खाली करने का नोटिस?

(जीएनएस)। बिहार की राजनीति का अहम केंद्र माने जाने वाले पटना के 10 सर्कुलर रोड आवास को लेकर एक बार फिर सियासी हलचल तेज हो गई है। बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को इस सरकारी बंगले को खाली करने का नोटिस जारी किया गया है। भवन निर्माण विभाग ने पत्र भेजकर कहा है कि यह आवास अब राज्य सरकार के मंत्री नंदकिशोर राम को आवंटित कर दिया गया है।

करीब दो दशक से ज्यादा समय से यह आवास राजद की राजनीति और लालू परिवार की गतिविधियों का मुख्य ठिकाना माना जाता रहा है। नोटिस सामने आने के बाद सत्ता पक्ष और राजद के बीच आरोप-प्रत्यारोप भी तेज हो गए हैं। राजद ने इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है, जबकि सरकार का कहना है कि यह पूरी तरह विभागीय प्रक्रिया के तहत लिया गया फैसला है।

10 सर्कुलर रोड खाली करने का निर्देश

भवन निर्माण विभाग की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि राबड़ी देवी को पहले ही नया सरकारी आवास आवंटित किया जा चुका है। इसके बावजूद अब तक उन्होंने 10 सर्कुलर रोड स्थित बंगला खाली नहीं किया है। विभाग ने उन्हें जल्द नया आवास ग्रहण करने और मौजूदा

बंगला खाली करने को कहा है।

पहले ही मिल चुका है नया आवास

विभागीय जानकारी के मुताबिक, 25 नवंबर 2025 को जारी आदेश संख्या-122 के तहत नेता प्रतिपक्ष के लिए 39 हार्डिंग रोड स्थित सरकारी आवास आवंटित किया गया था। यह आवास राबड़ी देवी के नाम से पहले ही जारी हो चुका है। अब विभाग ने दोबारा पत्र जारी कर पुराने बंगले को खाली करने का अनुरोध किया है।

मंत्री नंदकिशोर राम को हुआ आवंटन

सरकार की ओर से जारी जानकारी में बताया गया है कि 27 मई 2026 के ज्ञापांक-4738(भ) के तहत 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के मंत्री नंदकिशोर राम को आवंटित किया गया है। इसी कारण विभाग ने तत्काल कब्जा खाली कराने की प्रक्रिया शुरू की है।

राजद की राजनीति का बड़ा केंद्र रहा बंगला

पटना का 10 सर्कुलर रोड पिछले करीब 20 साल से राजद की राजनीति का प्रमुख केंद्र माना जाता रहा है। लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव लंबे समय तक इसी आवास में रहे। तेज प्रताप यादव और तेजस्वी यादव की राजनीतिक शुरूआत भी इसी घर से हुई।

राबड़ी देवी जब मुख्यमंत्री थीं, उससे पहले वह 1 अणे मार्ग में रहती थीं। उस समय उनके भाई साधु यादव 10 सर्कुलर रोड में रहते थे। बाद में यह बंगला पूरी तरह लालू परिवार की राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बन गया।

परिवार की कई अहम घटनाओं का गवाह

यह बंगला सिर्फ राजनीति ही नहीं, बल्कि लालू परिवार की कई बड़ी घटनाओं का भी गवाह रहा है। तेज प्रताप यादव और ऐश्वर्या राय की शादी के बाद इसी घर में पारिवारिक विवाद की चर्चा हुई थी। दिसंबर 2019 में ऐश्वर्या राय ने घर से निकाले जाने और मारपीट के आरोप लगाए थे।

वहीं, नवंबर 2025 में रोहिणी आचार्य भी भावुक हालत में इसी आवास से बाहर निकलती नजर आई थीं। इन घटनाओं के कारण भी यह बंगला लगातार चर्चा में बना रहा।

राजद ने बताया राजनीतिक अपमान

राबड़ी देवी को नोटिस मिलने के बाद राजद ने सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि 20 साल से ज्यादा समय से यह आवास राबड़ी देवी के पास है और अचानक इसे किसी दूसरे मंत्री को देना राजनीतिक मानसिकता को दिखाता है।

उन्होंने कहा कि जब राबड़ी देवी खुद विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष हैं, तब इस तरह का फैसला उन्हें और राजद को अपमानित करने के लिए लिया गया है। राजद ने इसे "ओछी राजनीति" करार दिया।

सरकार ने क्या कहा

बिहार सरकार की मंत्री लेसी सिंह ने कहा कि 10 सर्कुलर रोड अब मंत्री नंदकिशोर राम को आवंटित किया जा चुका है। इसलिए विभाग की ओर से नियम के अनुसार राबड़ी देवी को नोटिस भेजा गया है। सरकार का कहना है कि यह सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया है।

गुंजन कुमारी कौन है? पति ने बनाया बीपीएससी टीचर-बदले में तलाक के कागज, प्रेमी संग पड़की गई, ब्लू ड्रम कांड का डर!

(जीएनएस)।

एक मिडिल क्लास परिवार की 13 साल पुरानी शादी में अचानक दरार पड़ गई। सरकारी नौकरी लगते ही पत्नी के सुर बदल गए। पुराने कॉलेज दोस्त के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ी गई। 10 साल का मासूम बेटा पिता के साथ, मां पर गंभीर आरोप लगाते हुए कह रहा है कि मम्मी मुझे नीचे भेज देती थीं, अंकल को मामा बोलने को कहती थीं।'

यह कोई साधारण वैवाहिक विवाद नहीं, बल्कि विश्वासघात की कहानी है। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के माइल पंचायत निवासी अमन कुमार (46) ने अपनी पत्नी गुंजन कुमारी (लगभग 40 वर्ष) पर धोखाधड़ी, विवाहेतर संबंध और परिवार छोड़ने का आरोप लगाया है। मामला अब कोर्ट में है और स्थानीय पुलिस जांच कर रही है। 23-25 मई 2026 की घटना ने पूरे बिहार में सनसनी फैला दी है। आइए जानते हैं कि पति ने पत्नी पर क्या क्या आरोप लगाए? कौन है गुंजन कुमारी?

गुंजन कुमारी हाजीपुर की रहने वाली हैं। 2013 में अमन कुमार से उनकी शादी हुई। उस समय गुंजन इंटरमीडिएट पास थीं। शादी के बाद अमन ने उनकी आगे की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाया। ग्रेजुएशन, इ.ए.ई और बिहार पब्लिक सर्विस कमीशन (इढरउ) ळफए-2 की तैयारी कराई। 2023 के अंत में गुंजन का चयन 6 से 8वीं कक्षा की सरकारी शिक्षिका के रूप में हुआ। 2024 में सुपौल के त्रिवेणीगंज में ट्रेनिंग हुई, फिर सुपौल के वटर मध्य विद्यालय हिंदीगढ़ी में पोस्टिंग मिली।

अमन कुमार फोटोग्राफर हैं। उन्होंने पत्नी की पढ़ाई के लिए दिन-रात मेहनत की, मजदूरी की और 2022 में पैतृक 1.5 कट्ठा जमीन भी बेच दी। उनका आरोप है कि नौकरी मिलते ही गुंजन बदली।

अमन का कहना है कि मेरा सपना था कि मेरी पत्नी सरकारी टीचर बने। मैंने कभी उसके ऐशो-आराम में कमी नहीं आने दी। लेकिन जब मैंने उसके अफेयर के बीच में आने की कोशिश की तो डर लगता था कि कहीं मेरी लाश भी किसी ब्लू ड्रम में न मिल जाए।

अमन का आरोप है कि ट्रेनिंग के दौरान गुंजन की मुलाकात उनके ग्रेजुएशन के पुराने दोस्त प्रेम प्रकाश जायसवाल (या प्रकाश) से हुई। प्रकाश वैशाली में पोस्टेड थे। जून 2024 से दोनों के बीच कथित संबंध शुरू हुए। अमन के वैशाली में रहने के दौरान प्रकाश, गुंजन के सिमराही बाजार वाले 2इलड किराए के घर आता था। गुंजन ने बेटे को सिखाया था कि अंकल को 'मामा' कहना।

जनवरी 2025 में गुंजन ने बेटे को मेरे पास वैशाली भेजकर 'खुद महिला टीचर्स के साथ दार्जिलिंग जा रही है' का बहाना बनाया, लेकिन असल में कथित प्रेमी के साथ गई। लगभग एक साल से अलग रह रही हैं और तलाक की अर्जी दे चुकी हैं। अमन पर झूठे आरोप लगाए हैं।

25 मई को पत्नी की खुली पोल, प्रेमी की बाहों में देख फूटा पति का गुस्सा

अमन को सूचना मिली कि गुंजन हाजीपुर के लिच्छवि नगर के किराए के मकान में प्रेम प्रकाश के साथ हैं। अमन पहुंचे तो दोनों को आपत्तिजनक हालत में पाया। उन्होंने बाहर से दरवाजा बंद कर डायल-112 पर फोन किया। पुलिस पहुंचने से पहले ही पड़ोसी और मकान मालिक पहुंच गए, दरवाजा खुलवाया। अमन का मोबाइल छीना गया। उन्होंने दावा किया है कि घटना का वीडियो उनके पास है।

बेटे का दिल दहला देने वाला बयान

10 वर्षीय ने पिता के सामने मां पर आरोप लगाए कि मम्मी मुझे नीचे भेज देती थीं और खुद ऊपर रहती थीं। अंकल आते थे तो मम्मी कहती थीं कि किसी को मत बताना, पूछे तो मामा बोलना। बेटे ने मां के साथ रहने से इनकार कर दिया है।

दूसरी तरफ गुंजन का पक्ष

गुंजन की ओर से अभी तक कोई विस्तृत सार्वजनिक बयान नहीं आया है। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने भी अमन पर कुछ आरोप लगाए हैं, जिसमें वैवाहिक समर्थन की कमी और अन्य शिकायतें शामिल हो सकती हैं। दोनों पक्षों ने कोर्ट में शिकायतें दाखिल की हैं। पुलिस का रुख साफ है कि औपचारिक शिकायत पर ही कार्रवाई होगी।

कैसे बिगड़ा रिश्ता

2013: अमन-गुंजन शादी।

2015: बेटे का जन्म।

2022: अमन ने जमीन बेचकर पढ़ाई का खर्च उठाया।

2023 (दिसंबर): इढरउ ळफए-2 में गुंजन का चयन।

2024: ट्रेनिंग सुपौल, पोस्टिंग, कथित अफेयर शुरू।

जनवरी 2025: बेटे को पति के पास भेजकर 'महिला टीचर के साथ दार्जिलिंग जाने का' बहाना।

मई 2025: अलग रहना, तलाक अर्जी।

25 मई 2026: आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े गए, पुलिस सूचना।

गुंजन जैसे कितने कांड हुए?

कांड-2: ढउर अधिकारी ज्योति मौर्या केस

ज्योति मौर्या मामला साल 2023 में तब सुर्खियों में आया, जब उनके पति आलोक मौर्या ने आरोप लगाया कि उन्होंने शादी के बाद ज्योति की पढ़ाई में आर्थिक और अन्य तरह से मदद की। आलोक का कहना था कि ढउर अधिकारी बनने के बाद ज्योति ने उनसे दूरी बना ली और तलाक की मांग करने लगीं। दूसरी ओर, ज्योति मौर्या ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके बीच वैवाहिक विवाद पहले से मौजूद थे और मामला अदालत में विचाराधीन है।

अखिलेश यादव के छोटे भाई की एक्स वाइफ ने रचाई भाजपा नेता से दूसरी शादी, कौन है पति? मुलायम ने जताया था भरोसा

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया अध्याय जुड़ गया है। समाजवादी पार्टी सांसद धर्मेंद्र यादव (अखिलेश यादव के चचेरे भाई) की पूर्व पत्नी और फरुर्खाबाद जिला पंचायत अध्यक्ष मोनिका यादव ने 28 मई को इखढ नेता गौरव चौधरी (मेरठ जिला पंचायत अध्यक्ष) से शादी कर ली। दोनों ने हिमाचल प्रदेश में बेहद निजी समारोह में परिणय सूत्र बांधे। शादी में सिर्फ दोनों के करीबी परिवार के सदस्य ही शामिल हुए। किसी अन्य BJP नेता या बड़े नेता को आमंत्रित नहीं किया गया।

यह शादी न सिर्फ व्यक्तिगत जीवन का नया मोड़ है, बल्कि यूपी की राजनीति में पारिवारिक, पार्टी और वैवाहिक गठजोड़ की नई बहस भी छेड़ रही है। मुलायम सिंह यादव के परिवार से जुड़ी मोनिका का इखढ नेता से रिश्ता जुड़ना सपा के लिए संवेदनशील मुद्दा बन गया है।

बीएससी पास मोनिका यादव फरुर्खाबाद की एक पुरानी और प्रभावशाली राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता नरेंद्र सिंह यादव छह बार विधायक (1993, 1997, 2002, 2007, 2012 और 2017) रह चुके हैं।

वे मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव सरकारों में मंत्री रह चुके हैं। नरेंद्र सिंह यादव ने 1985 में कांग्रेस टिकट पर पहला चुनाव जीता था और बाद में मुलायम सिंह यादव के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

उनके दादा राजेंद्र सिंह यादव भी बड़े नेता थे। वे प्रजा समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे और यूपी सरकार में मंत्री रह चुके थे। उन्होंने फरुर्खाबाद की शमशाबाद और मोहम्मदाबाद सीट से सात बार विधायक के रूप में सेवा की।

मोनिका यादव इसी परिवार की तीसरी पीढ़ी हैं। उन्होंने 2016 के पंचायत चुनाव में समाजवादी पार्टी के टिकट पर उम्मीदवारी की, लेकिन पार्टी की अंदरूनी गुटबाजी का शिकार हो गईं और हार गईं। 2021 के पंचायत चुनाव में उन्होंने सपा छोड़कर इखढ का दामन थाम लिया। इखढ के समर्थन से वे फरुर्खाबाद जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुईं।